

ब्राह्मकृत्यै m. patron. von ब्राह्मकृत gaṇa शुभादि zu P. 4, 1, 123.
 ब्राह्मगुप्त (von ब्राह्मगुप्त) m. pl. N. eines Stammes Kār. zu P. 5, 3, 116
 (v. l. ब्रह्म°).
 ब्राह्मगुप्तौय m. ein Fürst der Brāhmagupta Kār. zu P. 5, 3, 116
 (v. l. ब्रह्म°).
 ब्राह्मण (von 1. u. 2. ब्रह्मन्) 1) adj. f. ब्राह्मणी einem Brahmanen
 gehörend, brahmanisch: प्रजा किंसिवा ब्राह्मणीम् AV. 5, 18, 12, 19, 11.
 TBr. 1, 1, 4, 8. मूर्ति die Gestalt eines Brahmanen MBh. 14, 2890. —
 2) m. a) oxyt. Gottesgelehrter, Theolog, Priester, Brahmane P. 6, 4, 171,
 Sch. AK. 2, 7, 4. Trik. 3, 3, 135. H. 811. an. 3, 225. MED. n. 67. fg. HALS.
 2, 236. fg. 3, 74, 82. चत्वारि वाक्परिमिता पदानि तानि विडुर्ब्राह्मणा
 ये मनीषिणः RV. 1, 164, 45. ब्राह्मणा व्रतचारिणः 7, 103, 1. 7. 3, 10, 16, 6.
 71, 9, 88, 19. ब्रा°, राजन्य, वैश्य, शूद्र 90, 12. यस्मै कृपाति ब्राह्मणस्तं
 राजन्यारयामसि 97, 22, 109, 4. VĀLAKH. 10, 1. AV. 2, 6, 3. ब्राह्मणो वृद्धे प्रथमो
 दशर्षिर्षो दशस्यः । स सोमं प्रथमः पौषं स चकारारसं विषम् 4, 6, 1. ब्राह्मण
 एव पतिर्न राजन्योऽन्ये न वैश्यः 5, 17, 9, 18, 1. fg. 19, 2. fg. 11, 1, 28, 19,
 34, 6, 35, 2. VS. 7, 46. सोमो ऽस्माकं ब्राह्मणानां राजा 9, 40, 18, 48, 22, 22.
 27, 3, 30, 5. AIT. Br. 1, 28. यो ब्राह्मणो बह्व्यो वीर्यवान्स्यात् 2, 36, 3, 14.
 23. एता वै प्रजा कुतश्चिदपि यद्वाह्यं यथा यद्वाह्यं यद्वाह्यं वैश्यः शूद्रः
 7, 19, 29, 8, 22. fg. ब्राह्मणो वै सर्वो देवताः TBr. 1, 4, 4, 2, 1, 5, 6, 2, 7,
 3, 1. TS. 1, 6, 3, 2, 2, 1, 3, 8. यो ब्राह्मणः सत्ता तृतीयात्पुरुषात्सोमं न पि-
 ब्वति 5, 5. ब्राह्मणो राजन्यवानत्यन्यं ब्राह्मणम् 5, 1, 10, 3, 7, 3, 4, 6, 4, 9, 2,
 6, 4, 4, 7, 1, 4, 4. ÇAT. Br. 1, 3, 1, 12, 2, 2, 6, 4, 3, 14, 3, 9, 1, 14, 4, 17,
 11, 3, 3, 1, 10, 13, 3, 4, 8, 14, 6, 3, 3, 9, 2, 11. KĀT. Çr. 1, 6, 13, 4, 13, 11,
 5, 6, 30, 22, 11, 21, 25, 4, 2. ĀÇV. GRH. 1, 19, 1, 3, 8, 6, 4, 7, 2. KAUÇ. 49, 37,
 67, 74. (ब्रह्मा) मुखबाह्वरुपादतः । ब्राह्मणं सत्रियं वैश्यं शूद्रं च निर्वर्त-
 यत् ॥ M. 1, 31. अध्ययनमध्ययनं यजनं याजनं तथा । दानं प्रतिग्रहं चैव
 ब्राह्मणानामकल्पयत् ॥ 88. सर्वस्यैवास्य सर्गस्य धर्मतो ब्राह्मणः प्रभुः 93.
 बुद्धिमतु नराः श्रेष्ठा नरेषु ब्राह्मणाः स्मृताः 96. स्वमेव ब्राह्मणो भुङ्क्ते स्वं
 वस्ते स्वं ददाति च । धान्यस्याद्वाह्यस्य भुङ्क्ते कीर्तिं जनाः ॥ 101. वर्षाणां
 ब्राह्मणो गुरुः Spr. 868. ब्राह्मणो द्विपदो श्रेष्ठः 2000. N. 13, 43. R. 1, 34, 14.
 Suçr. 1, 7, 2, 21, 20, 102, 19. गोब्राह्मणस्य M. 3, 95, 11, 79. जन्मना ब्राह्म-
 णो ज्ञेयः संस्कारैर्द्दिन उच्यते । विद्यया याति विप्रत्वं त्रिभिः श्रोत्रिय उ-
 च्यते Cit. beim Schol. zu Çik. 128. im Gegens. zu अमण KATHĀS. 27, 18.
 Agni ÇAT. Br. 1, 4, 3, 2. TS. 2, 3, 9, 1. mit कृतादि componirt gaṇa श्रे-
 ण्यादि zu P. 2, 1, 59. am Ende eines comp. nach einem einen Tadel aus-
 drückenden Worte P. 6, 2, 69. भैय° ein furchtsamer Brahmane Sch.
 ब्राह्मणात् angeblich acc. pl. im Veda P. 7, 1, 39, Sch. — b) Bez. des
 28ten Nakshatra WEBER, Nax. II, 306. 311. — 3) f. 5 a) proparox.
 eine Frau aus der Priesterkaste gaṇa शार्ङ्गरवादि zu P. 4, 1, 73. KĀT.
 37, 7. LĀTJ. 9, 2, 6. GOB. 2, 4, 6, 7, 12. ĀÇV. GRH. 1, 7, 21, 14, 8. M. 8, 376.
 fg. 382, 9, 198, 10, 30, 66. JĀG. 1, 93. BRĀHMA. 1, 20. MBh. 13, 1882.
 VID. 187. PĀNĀR. 1, 7, 69. AK. 2, 10, 3. सभ्राह्मणीका adj. f. von Brah-
 manenfrauen begleitet KATHĀS. 21, 116. — b) Clerodendrum Siphonanthus
 R. Br. AK. 2, 4, 3, 8. MED. Trigonella corniculata Lin. (पुक्ता) MED. Ruta
 graveolens ÇABDAE. bei Wils. Hierher wohl पश्यति तस्यात् ब्राह्मणी
 कारकादिव R. ed. Bomb. 3, 29, 5. Nach dem Schol. ist ब्राह्मणी = रक्त-
 पुच्छिका und कारकात् nicht Ablativ von कारक Hagel, sondern कारका
 Hagel + ऋद् essend. — c) ein best. Insect, = वर्दी eine Art Wespe Trik.

V. Theil.

2, 3, 34. eine Ameisenart mit grossem Kopfe H. 1207. eine Eidechsenart
 mit rothem Schwanz 1299. Schol. in R. ed. Bomb. 3, 29, 5; vgl. ब्राह्म-
 णिका. — d) N. pr. eines Flusses MBh. 6, 341 (ब्राह्मणी ed. Calc.). 3, 8086.
 LIA. 1, 85. — e) fehlerhaft für ब्राह्मणी Wilson, Sel. Works I, 21. —
 4) n. proparox. a) so v. a. das Brahman, das Göttliche: ज्येष्ठं ये ब्रा-
 ह्मणं विदुः AV. 10, 7, 17. महत् 8, 20, 23, 37. तस्माज्जातं ब्राह्मणं ब्रह्मं
 ज्येष्ठम् 11, 3, 5, 10, 23. त्रयो लोकाः संमिता ब्राह्मणेन 12, 3, 20. — b) hei-
 lige —, göttliche Kraft AV. 7, 66, 1. पुनर्मैत्रिन्द्रियं पुनर्मात्मा द्रविणं ब्रा-
 ह्मणं च 67, 1. ĀÇV. GRH. 3, 6, 8. — c) das Brāhmaṇa d. i. religiöse
 Erläuterung, Ausspruch eines Theologen über Gegenstände des Glauben
 und Cultus, durch welche Gehalt und Bedeutung desselben be-
 stimmt werden soll, TBr. 1, 3, 10, 3. AIT. Br. 3, 45. तद् क स्माहपावि-
 र्जानभुतेय उपसदं किल वै ब्राह्मणे 1, 25. हरोरुणं रोहति तस्यात् ब्रा-
 ह्मणम् 6, 25, 7, 12, 8, 2, 17. TS. 3, 1, 9, 5, 3, 2, 1. ÇAT. Br. 3, 2, 1, 4, 1,
 5, 15, 6, 2, 4, 39, 13, 4, 1, 5, 6, 2, 8. Daher Bez. einer bekannten Klasse
 vedischer Schriften, welche diese Erläuterungen enthalten, z. B. Aita-
 reja-, Taittiriya-, Çatapatha-Brāhmaṇa Trik. H. an. MED. Nir.
 13, 7. वाद् 2, 16. KĀT. Çr. 18, 6, 7. LĀTJ. 1, 10, 7, 3, 5, 11, 8, 9, 5, 9, 2, 16.
 ĀÇV. GRH. 3, 3, 1. KAUÇ. 1, 38, 80. P. 2, 3, 60 (beim Schol. fälschlich m.).
 कन्देब्राह्मणानि 4, 2, 66. Gegens. संहिता Siddh. K. zu P. 1, 2, 36. मन्त्र-
 ब्राह्मणकर्तारः HARIV. 462. Verz. d. Oxf. H. 56, a, 11. — d) das Soma-
 Gefäss des Brahman (vgl. योत्र. होत्रः) ब्राह्मणादिन्द्र राधसः पित्रा
 सोमम् RV. 1, 13, 5. त्वमस्य ब्राह्मणादा तुपतिष्व 2, 36, 5. AV. 20, 2, 3. —
 e) eine Gesellschaft von Brahmanen Trik. H. an. MED. — Vgl. ब्र°.
 ब्राह्मणक (von ब्राह्मण) 1) m. a) ein erbärmlicher Brahmane, ein
 Brahmane bloss dem Namen nach MBh. 12, 9733, 13, 385. — b) ब्रा° N.
 pr. P. 5, 2, 71. einer von Waffen tragenden Brahmanen bewohnten Gegend
 Sch. Vgl. ब्राह्मणकीय. — 2) f. ब्राह्मणिका wohl eine Eidechsenart (vgl.
 ब्राह्मणी u. ब्राह्मण 3, c.) Verz. d. B. H. No. 897.
 1. ब्राह्मणकल्प (ब्रा° + क°) m. pl. Brāhmaṇa's und Kalpa's (zwei
 Arten von Schriften) P. 4, 3, 103.
 2. ब्राह्मणकल्प (wie oben) adj. einem Brahmanen ähnlich AIT. Br. 7, 29.
 ब्राह्मणकीय adj. von ब्राह्मणक 2. P. 4, 2, 104, VĀT. 37, Sch.
 ब्राह्मणकृत्यै patron. wohl von ब्राह्मण-कृत gaṇa शार्ङ्गरवादि zu P.
 4, 1, 73. f. ब्राह्मणकृत्येयौ ebend.
 ब्राह्मणघ्न (ब्रा° + घ्न) adj. subst. Brahmanenmörder M. 9, 232.
 ब्राह्मणचाण्डाल (ब्रा° + चा°) m. ein Kāṇḍāla unter den Brahmanen,
 ein verworfener —, verachteter Brahmane M. 9, 87. Vgl. VĀRDUHA-KĀṇ. 11, 17.
 ब्राह्मणज्ञ = ब्राह्मणाज्ञातः P. 3, 2, 101, Sch.
 ब्राह्मणजातं (ब्रा° + जात) n. Brahmanengeschlecht ÇAT. Br. 13, 4, 2, 17.
 ब्राह्मणता (von ब्राह्मण) f. Brahmanenstand, Brahmanenwürde AIT.
 Br. 7, 23, 29. M. 10, 65.
 ब्राह्मणार्त्रा (wie oben) adj. unter den —, unter die Brahmanen P. 5,
 4, 55, Sch.
 ब्राह्मणव (wie oben) n. = ब्राह्मणता Schol. zu LĀTJ. 9, 2, 6. MALLIN.
 zu KUMĀRAS. 3, 40.
 ब्राह्मणदारिका (ब्रा° + दा°) f. ein Brahmanenmädchen BURN. Intr.
 136, N. 2. 462, N. 2.
 ब्राह्मणपथ (ब्रा° + पथ) wohl Bez. bestimmter Brāhmaṇa (Schriften),

10*